Rs. 5.00/-

Look n Learn
Children's Jain Magazine

25th April 2017 I Every Fortnight I English, Hindi & Gujarati

JIDD

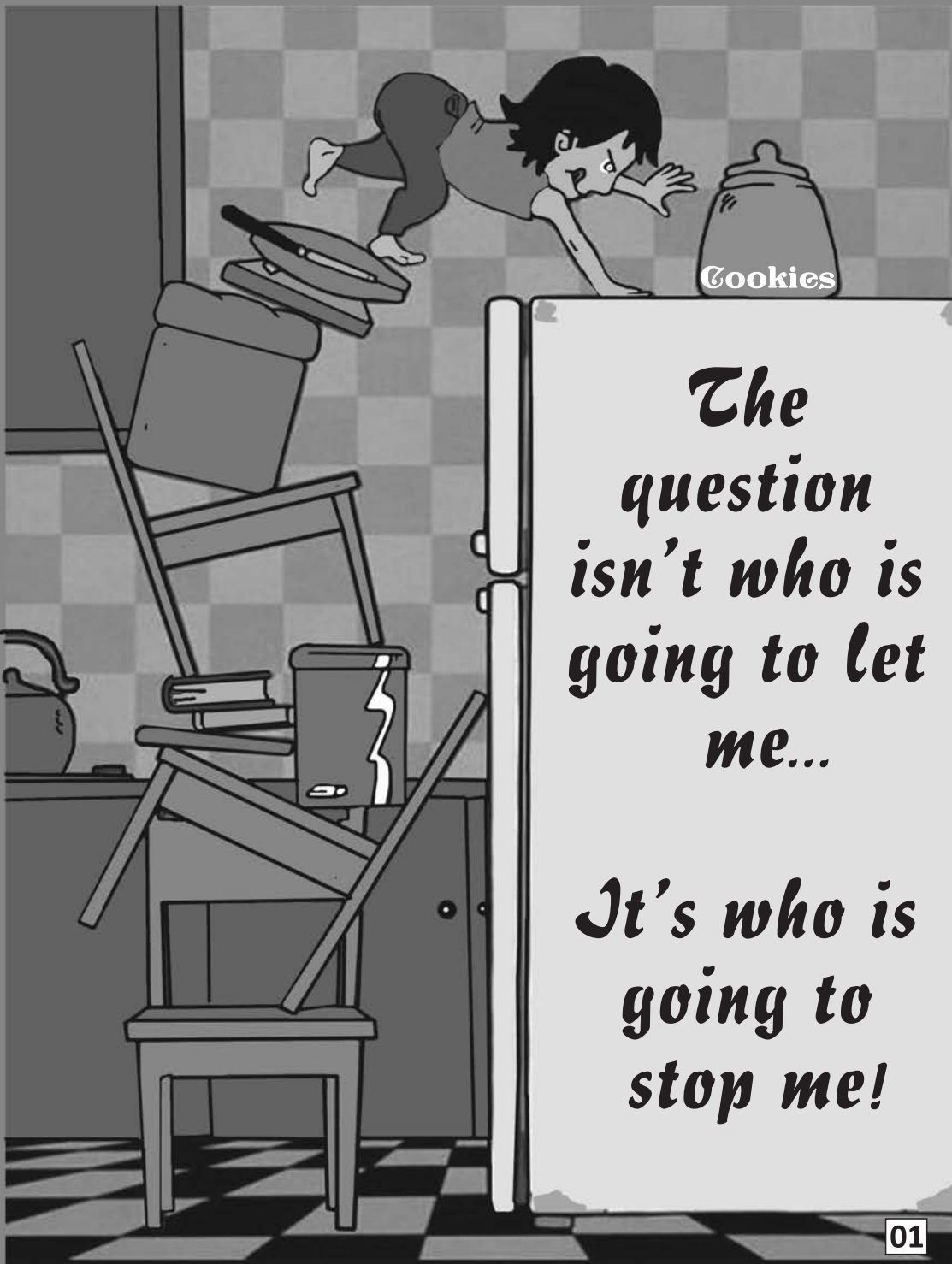

Year - 10, Vol: 9, Issue: 06, Date: 25.04.2017
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

जिया, राज और मम्मी-पापा एक दिन पार्क में घुमने जाते हैं। अभी सिर्फ कुछ ही समय हुआ था घर से निकले की जिया रुक गई।

जिया को रास्ते पर दुकान में से चोकलेट या बिस्कीट खाने की ईच्छा हुई। जिया ने अपने मम्मी से कहा...

जिया : "मम्मी, मुझे भुख लगी है।

मम्मी पापा समझ गए। मम्मीने कहा...

मम्मी : "जिया, अभी तो घर से निकले है और तुम्हें भूख लग गई?"

जिया समझ गई के मम्मी चोकलेट या बिस्कीट नहीं लेके देंगे।, इसलिए वो चूप हो गई।

पार्क में पहुँचते ही वो थोडी देर मित्रों के साथ खेली और फिर जिया पार्क के गेट के पास गई। वहाँ एक घोडागाडी और गुब्बारेवाला था।

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years
India : Rs. 1000/-
Abroad : Rs. 5000/-

जिया मम्मी के पास गई और कहा...

जिया :"मम्मी, मुझे घोडागाडी में बैठना है और एक गुब्बारा भी चाहिए।"लेकिन मम्मीने जिया को मना कर दिया और जिया रोने लगी। वह पैर पटकने लगी।

जिया ने देखा के मम्मी पापा दोनों उसे अनदेखा कर रहें हैं। अब जियाने सोचा, अब में क्या करूं? उसे गुब्बारा तो चाहिए ही था। अब वो और जोर जोर से रोने लगी।

मम्मी जिया को अच्छे से जानती थी, उन्हें मालुम था कि जिया जिद कर रही है। मम्मीने ऊँचे आवाज में जिया से कहा,

मम्मी :"जिया इस तरह रोने से तुम्हें आज तो क्या, कभी भी कोई चीज नहीं लेकर दुँगी।" मम्मी की यह बात सुनकर वह एकदम शांत हो गई और उसने रोना बंद कर दिया।

तो बच्चों जिया ने क्या किया?
जिद, गुस्सा और मम्मी को परेशान...
जिया कैसी है? गुस्सेवाली या जिद्दी?
जिया जिद्दी है। जिद कौन करता है?
आप जिद करते हो?
आप जिद क्यों करते हो?
कोइ चीज आपको अच्छी लगती है, इसलिए?
जैसे कि मुझे तो आज आईसक्रिम ही खानी है, मुझे भी मेरी फ्रेंड जैसा मोबाईल चाहिए, मुझे ये चाहिए, वो चाहिए... यह है जिद।
जिद यानी इच्छा... इच्छा और प्रबल इच्छा।

इच्छा क्या है?
What is desire ?

- कोई भी वस्तु को पाने का आग्रह, इसे इच्छा कहते है।
- इच्छा अनंती होती है। एक के बाद एक अनंती इच्छाएँ जन्म लिया करती है।
- इच्छा पूरी होती है तो अहंकार बढ़ता है और इच्छा पूरी नहीं होती तो अहंकार तूट जाता है, और निराशा ,दुख- वेदना बढ़ती है।

- *Desire is the urge to have things .*
- *Desires are endless/infinite. Endless desires can keep emerging.*
- *When one desire is fulfilled, our ego gets elevated, where as when desire is not fulfilled, our ego gets hurt, which turns into more misery and pain.*

भावना किसे कहते है?

भावना यानि सकारात्मक भाव! 'सत् तत्व' की इच्छा, इसे भावना कहते है।
जिसमें भाव की शुध्दी होती है, उसे भावना कहते है।
उदा : मुझे मेरी आत्मा का कल्याण करना है।

Desire to have 'Sat tattva' is called as 'Bhavana'.
That which purifies our intention and feelings is 'Bhavana''.
Eg : I want to do welfare of my soul is Bhavana.

जिद का परिणाम? जिद करने से क्या होता है?
What are the consequences of stubbornness?

संबंध में दरार आ जाती है।

It hampers relationships.

लडाई झगडे होते है।

It results into quarrels & fights.

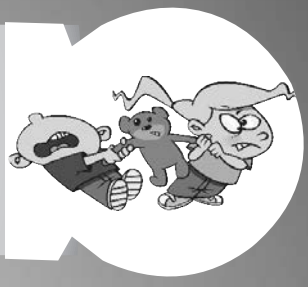

झूठ बोलना पडता है।

It leads to Dishonesty.

अविनय और अशाता होती है।

It invites troubles and disrespect .

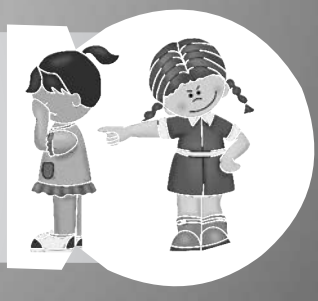

हम बड़े बुजुर्गो का विश्वास खो देते है।

It make us loose trust of our elders.

Who is stubborn?

जिद कौन करता है?

Egoistic
अहंकारी

An egoistic person wants all his desires to be fulfilled.

Ignorant
अज्ञानी

An ignorant can't control his desires.

Snobbish
अभिमानी

I want this things, I should also have this thing.

Non-acceptor
अस्वीकार

The one who denies truth & desires falsehood.

Envious
ईर्ष्यालु

My friend has a mobile, and therefore, I also want to have same mobile.

Impolite
अविनय

Stubborn people are generally impolite and disrespectful towards their parents, elders and Guru.

Negligent : Stubborn people are largely negligent towards their soul

जिद कौन नहीं करता है?
Who is not Stubborn?

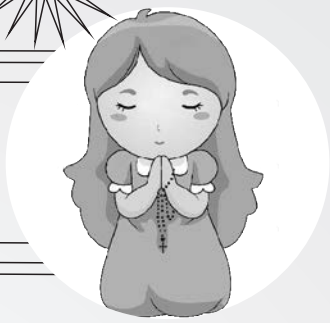

जिनमें विनय होता है।

One who is Humble.

जो सौम्य होते है।

One who is Demure.

जो अपने माता-पिता का आदर करते है।

One who is Respectful towards their parents.

जो स्वभाव के सरल होते है।

One who is Innocent.

जो संतोषी होते है।

One who is Content.

जो हमेंशा सत्य बोलते है।

One who always speaks Truth.

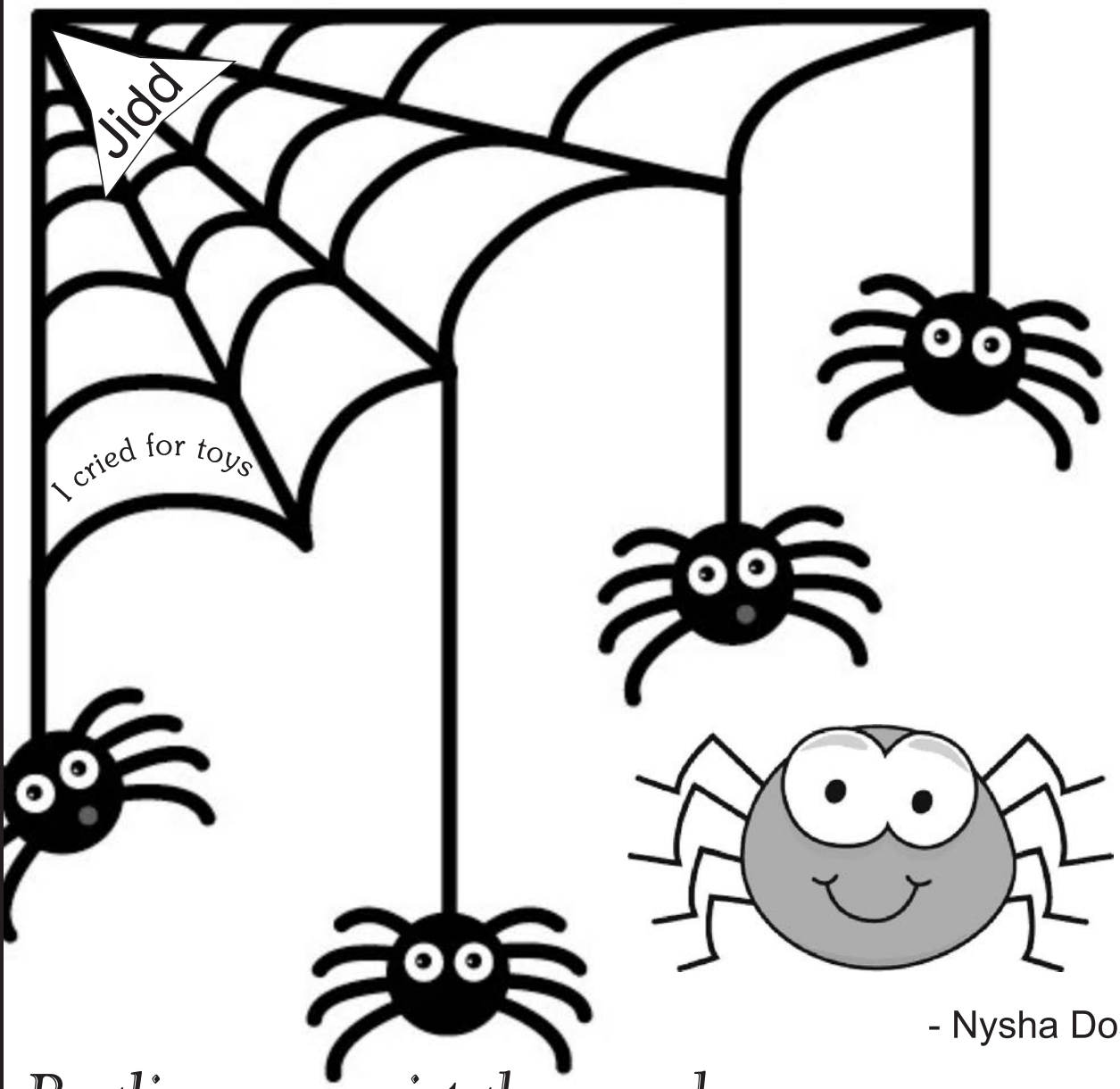

- Nysha Doshi

Realise your mistakes... where you were stubborn! Write them in the web

Web of stubborn activity will lead you to dissatisfaction and aggressive attitude

So be aware and don't get yourself trapped

जिद पूरी नही हो तो क्या होता है?

What happens when our stubbornness is not fulfilled?

पढाई पर ध्यान नहीं रहता

Our concentration on studies gets disturbed

मन अशांत होता है

Mind gets restless

स्वभाव चिडचिडा हो जाता है

We get irritated

अशुभ भाव प्रगट होता है,नकारात्मक ऊर्जा तैयार होती है। सुख और शांती का विनाश होता है।

Discontentment arises, Negative energy is created which kills happiness and peace

CHECK YOURSELF

WHAT ARE YOU STUBBORN FOR?

Are they worth it?
Do they give you permanent happiness?
Does your stubborness make your parents happy?

THINK AND ACT WISELY

दुर्योधन महाअभिमानी और अहंकारी थे। इंद्रप्रस्थका राज्य युधिष्ठिर को ही मिलना चाहिए था, क्योंकी वह युवराज थे। सबसे बडे थे। लेकिन दुर्योधन यह बात स्वीकारने के लिए तैयार नहीं थे। वासुदेव कृष्ण भी अपने राजदूत को उन्हें समझाने भेजते है, लेकिन दुर्योधन उनका अपमान करके उन्हें वहाँ से निकाल देते है। जब स्वयं वासुदेव श्रीकृष्ण, दुर्योधन के पास विशिष्ठकार बनके उन्हें समझाने जाते है, तब दुर्योधन उन्हें कहते है, "मै पांडवो को एक इंच जमीन भी देने के लिए तैयार नहीं हुँ।" इसके बाद सिर्फ एक ही रास्ता रह जाता है, युध्द का। महाभारत का घनघोर युध्द होता है। दुर्योधन के जिद की वजह से ही भयंकर युध्द होता है। अहम की तृप्ती होना यही जीद है।

Duryodhan was extremely snobbish & egoistic. Son of the king, prince Yudhisthir was eldest & therefore, he was actually entitled for the kingdom of Indraprastha But, Duryodhan was not ready to accept it. When Vasudev Krishna sends his personal Ambassador to convince Duryodhana, he insults him & kicks him out. When Vasudev Krishna personally goes to him as a mediator, Duryodhan answers, 'I am not willing to give Pandavas, even 1 inch of land.''After this, there remains only one way out to maintain the truth, and that was 'war''The plangent war of Mahabharat takes place. It was just because of stubbornness of Duryodhana-Contentment of one's ego is Stubbornness.

- Ishita & Aryann Sanjeev Doshi

जिद को कैसे नियंत्रित कर सकते है?

How can we control stubbornness?

असत् इच्छाए
Unconditional Desires

Do I really need this thing?
क्या यह वस्तु मुझे सच में चाहिए?

Would I like it forever?
क्या यह वस्तु मुझे हमेंशा अच्छी लगेगी?

Am I unhappy without it?
क्या यह वस्तु मेरे पास नहीं है तो मै खुश नहीं हुँ?

Am I satisfied after having it?
क्या यह वस्तु मेरे पास आनेसे में सदा संतुष्ट हो जाऊँगा।

यदी हमारी सत् इच्छा होती है, तो माता-पिता कभी भी हमें मना नहीं करते।

If we have rightful desires,then our parents would never refuse them.

When you get Stubborn..

Don't harass others

Don't hurt yourself

Don't throw or break things

Don't get irritated or frustrated

Solution : Stay calm and talk to others

सेचनक हाथी

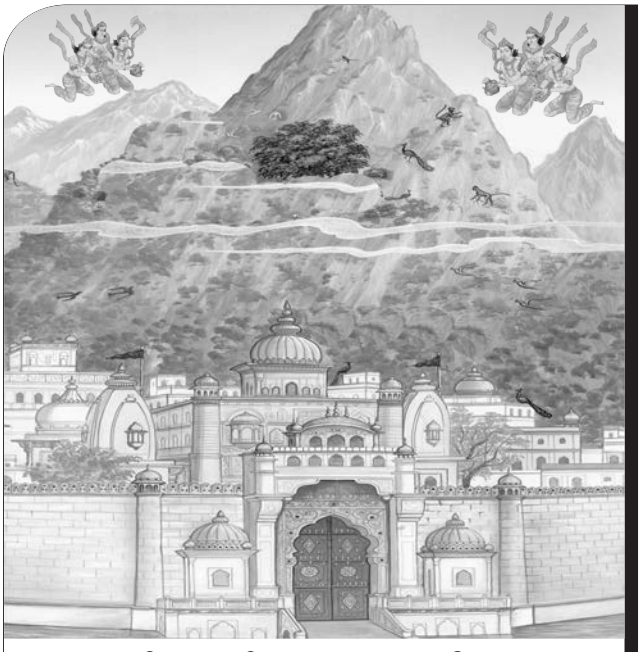

राजगृही नगरी के राजा श्रेणिक के मित्र देवलोक के देव थे

एक बार उन्होंने श्रेणिक राजा को एक अद्भूत दिव्यहार और हाथीयों में सर्वश्रेष्ठ गुणवाला सेचनक हाथी तोहफे में दिया। सेचनक जैसा हाथी किसी राजा के पास नहीं था।वह दिव्यहार जो भी पेहने उसे कभी कोइ बिमारी नहीं होती। वह हार अत्यंत सुंदर, उत्तम और जादुई था।

श्रेणिक राजा के तीन पुत्र थे... कोणिक, हल और विहल्ल। जब श्रेणिक राजा राजपद से निवृत्त होने का विचार करते है, तब वो अपने तीनों पुत्रों में राजगृही राज्य, दिव्य हार और सेचनक हाथी बांट देते है। कोणिक राजा बन जाते है और उनकी पत्नी पद्मावती रानी बन जाती है।

हल-विहल्ल अपने पत्नीयों के साथ हाथी के उपर सवार होके सरोवर में नहलाने जाते है। वहाँ उसे फंवारे से नहलाते है और उसके साथ खूब मजे करते है। नगरजन भी सेचनक हाथी और दिव्य हार को देखकर हल-विहल्ल की बहोत प्रशंसा करते है। राणी पद्मावती, हल-विहल को अपनी पत्नीयों के साथ सेचनक हाथी पर बैठे देखकर बहोत ईर्ष्या करती है। वह सोचती है, में रानी होकर भी मेरे पास ऐसा हाथी नहीं है। मुझे तो बस यही हाथी चाहिए।

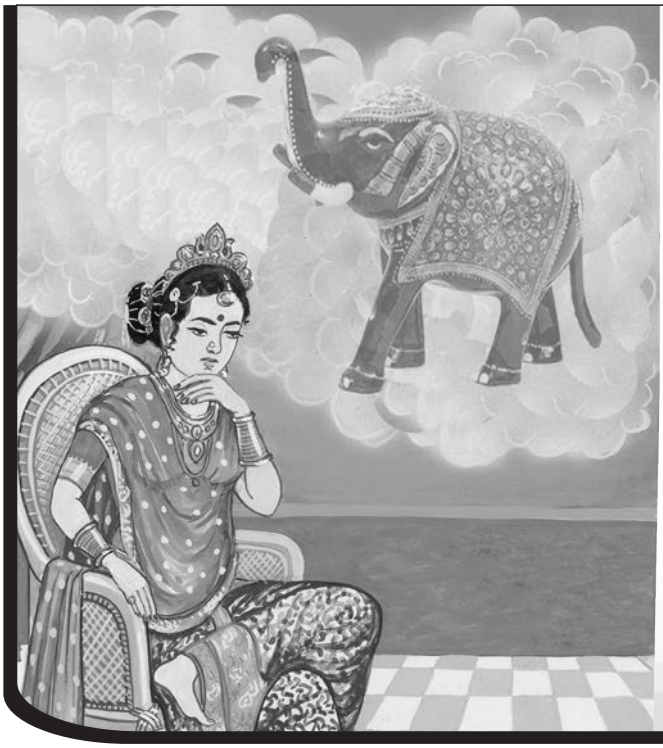

पद्मावती रानी कोणिक राजा के पास जाकर सेचनक हाथी को हासिल करने के लिए जिद पर अड जाती है। राजा कोणिक उन्हें बहुत समझाते है। आखिर में हार कर कोणिक राजा अपने भाई हल-विहल्ल से सेचनक हाथी की मांग करते है।

राजा कि अवज्ञा नही करने की सोच से हल-विहल अपने नाना-नानी के यहाँ चले जातें है। वहाँ के राजा चेडाराजा १२ व्रतधारी चुस्त श्रावक थे। जो अपने शरण आते है, उनकी रक्षा करना यही धर्म है, यह कहकर वो हल-विहल की रक्षा करने की जिम्मेदारी लेते है।

कोणिक राजा को यह बात पता चलते ही वह युध्द का ऐलान करते है। चेडाराजा और कोणिक राजा के बीच भयंकर युध्द होता है।

एक रानी की जिद की वजह से पूरी नगरी नष्ट हो जाती है।

अब राजा कोणिक कपटसे हाथी को पाने की योजना बनाते है। हाथी के चलने के रास्ते पर वह बहोत बडा गडडा करवाते है। वहाँ जलते अंगारे भरके उसके उपरसे घास फैलाके उपरसे अच्छेसे रास्ता बनवाते है।

हल-विहल हाथी पर बैठकर जब भाग निकलते है तब गड्डे के पास आकर हाथी रुक जाता है। देवाताई हाथी को गड्डे के बारेमें पता चल जाता है। हाथी वहाँसे जरा भी हिलता नही। गुस्सेमें आके हल-विहल उसे बहोत अंकुश मारते है। हाथी लहूसे पूरा भीग जाता है। लेकिन वफादार और समझदार हाथी अपने मालिक को दुःख होता देखकर उन्हें अपने उपरसे नीचे उछाल देता है और खुद जलते अंगारों के गड्डे में गिर जाता है और वही जलके भस्म हो जाता है।

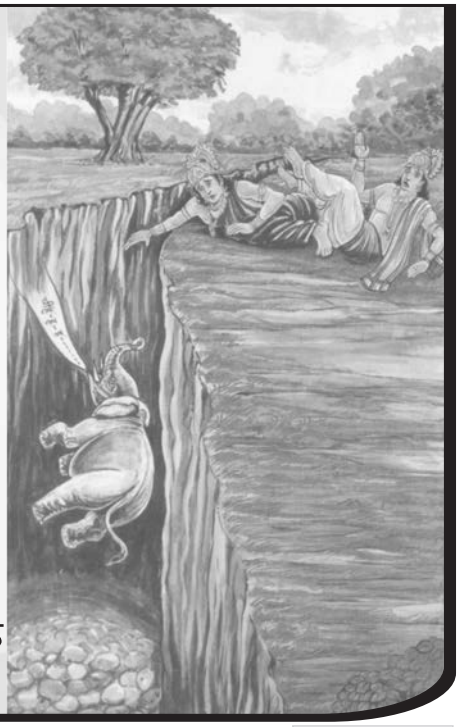

सबसे पहले.....

क्या रानी पद्मावती को हाथी मिला? क्या उनकी जिद पूरी हुई?

नही!

आखिर में राणी पद्मावती की जिद पूरी नही होती है और हाथी किसी को भी नही मिलता।

Lets trace the Shechnak elephant

Activity

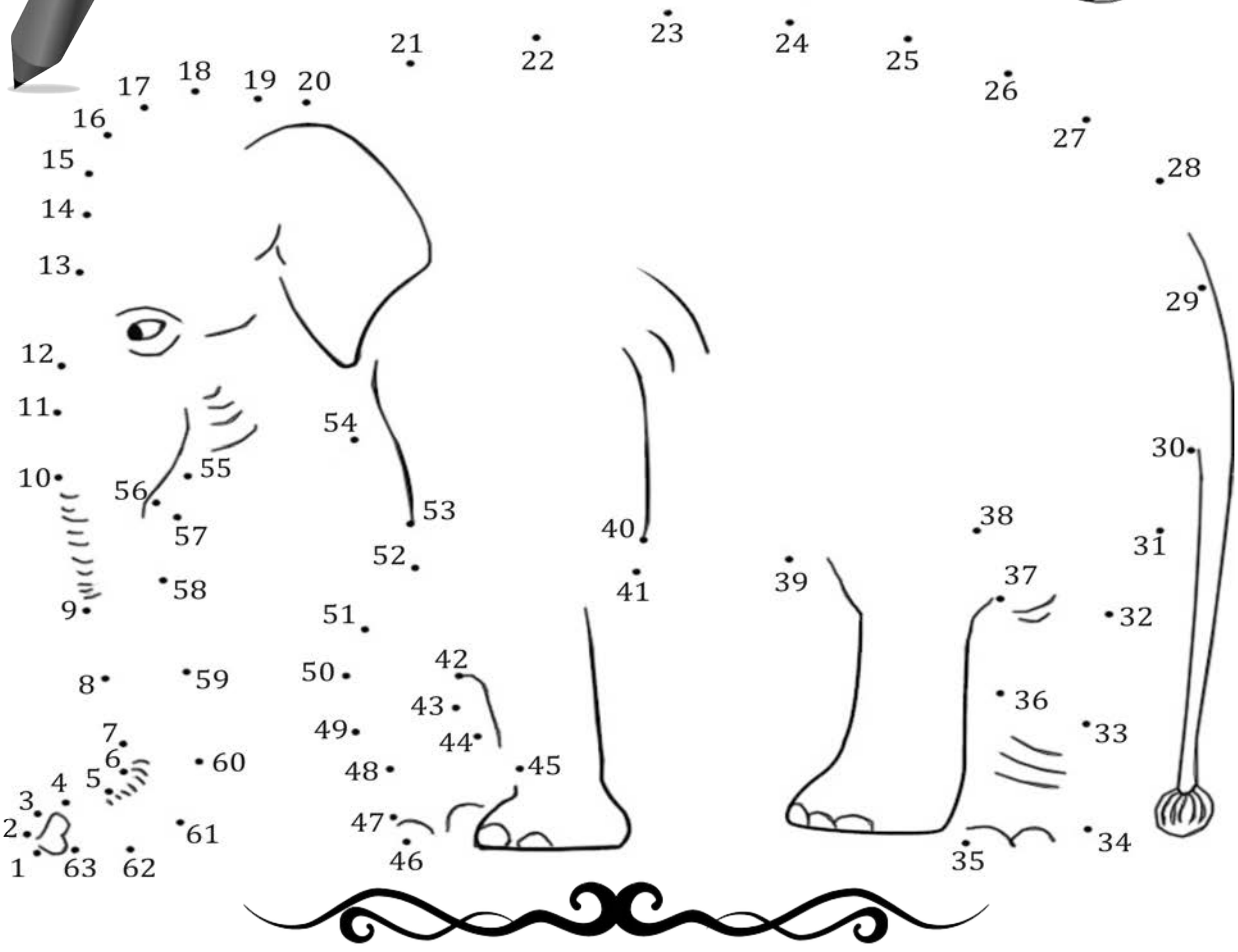

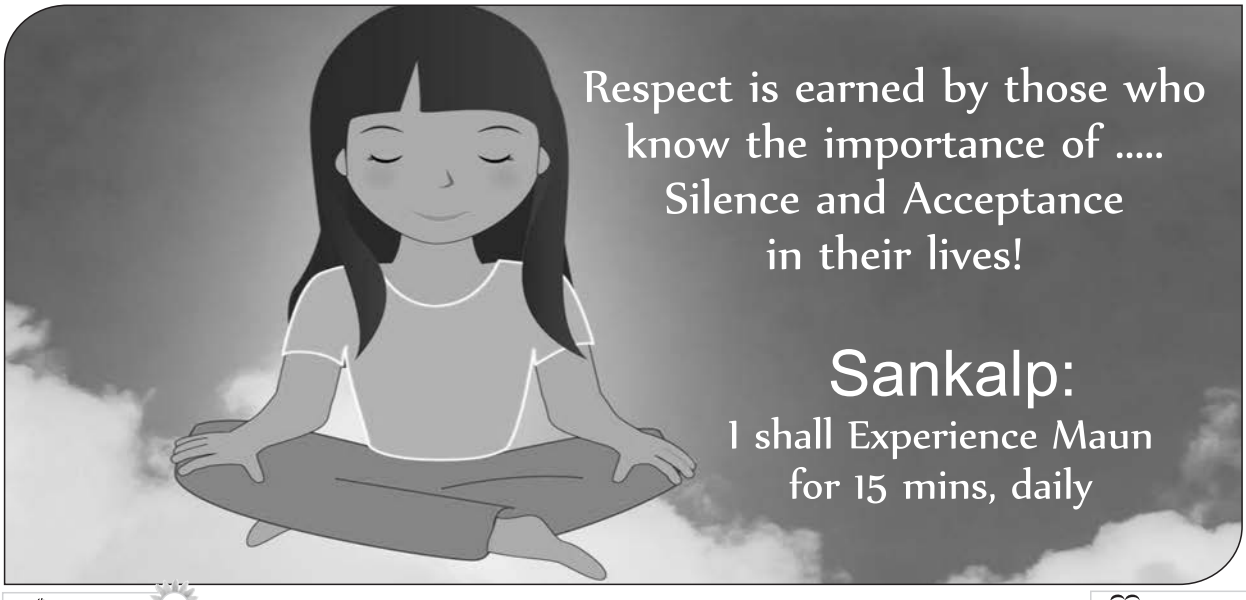

THE CHIP - CHOP GAME

Firstly cut the square and fold the paper on the dotted line and assemble chip - chop model.

* Put your four fingers in its pockets
* Ask your friend to choose a colour
* Swipe the chip chop according to colour

- Mehta Parivar

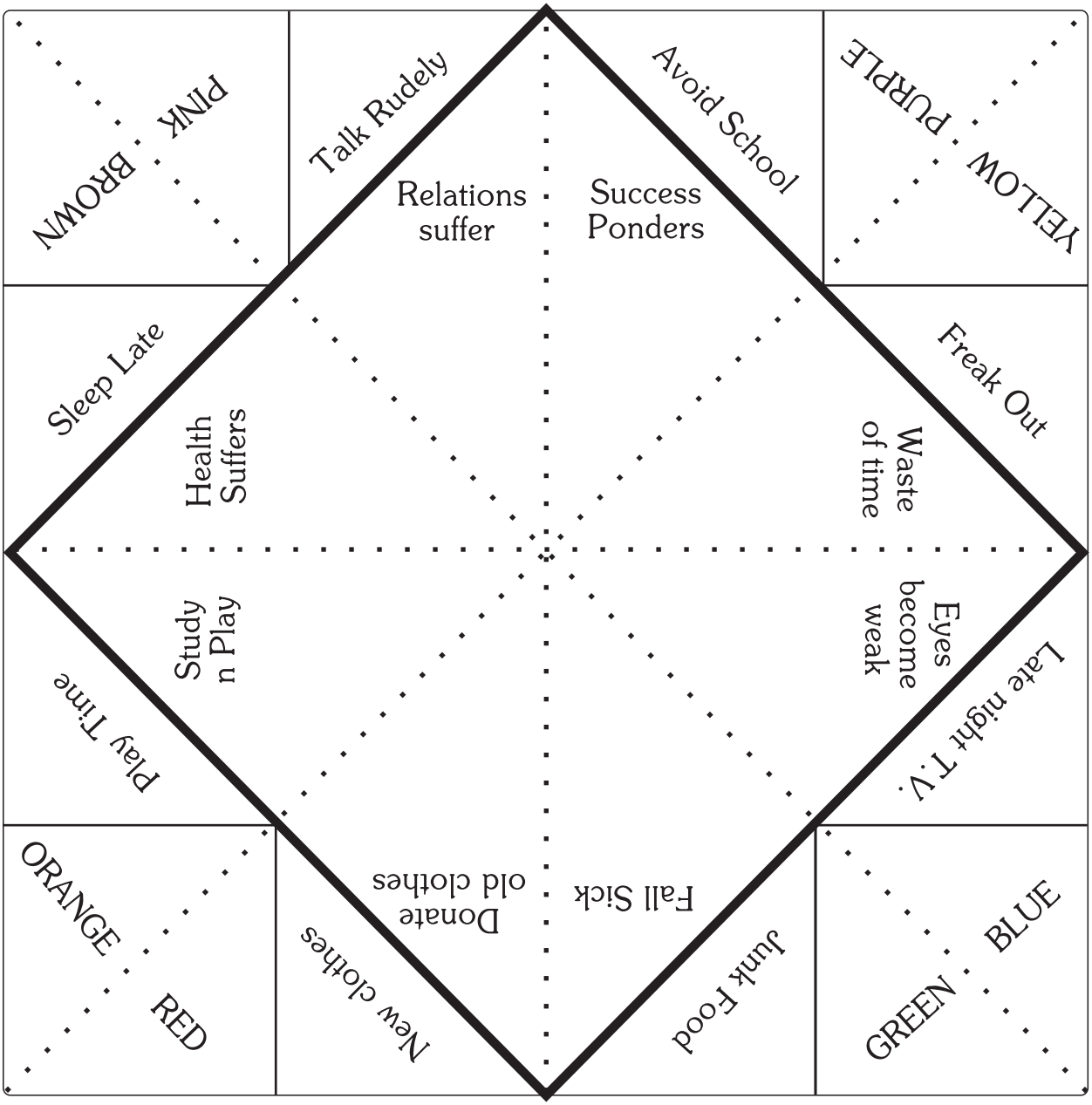

* When you open it you will have acts where you get stubborn
* On flipping the card again, behind the same stubborn act you will find its consequenses or solution.

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol.: 9, Issue: 06, Date: 25.04.2017, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
License to post without prepayment, WPP license No. MR/Tech/WPP-273/NE/2017.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth